गणेश जीची आरती मराठी

सुखकर्ता दुखहर्ता, वार्ता विघ्नांची,
नुरवी; पुरवी प्रेम, कृपा जयाची।
सर्वांगी सुंदर, उटी शेंदुराची,
कंठी झळके माळ, मुक्ताफळांची।

जय देव, जय देव जय मंगलमूर्ती,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती।
जय देव, जय देव...

रत्नखचित फरा, तुज गौरीकुमरा,
चंदनाची उटी , कुमकुम केशरा।
हिरेजडित मुकुट, शोभतो बरा,
रुणझुणती नूपुरे, चरणी घागरिया।

जय देव जय देव जय मंगलमूर्ती,
दर्शनमात्रे मन कामना पुरती।
जय देव, जय देव...

लंबोदर पीतांबर, फणिवरबंधना,
सरळ सोंड, वक्रतुंड त्रिनयना।
दास रामाचा, वाट पाहे सदना,
संकटी पावावे, निर्वाणी रक्षावे, सुरवरवंदना।

जय देव जय देव, जय मंगलमूर्ती,
दर्शनमात्रे मनकामना पुरती
जय देव, जय देव...

शेंदुर लाल चढायो अच्छा गजमुख को,
दोन्दिल लाल बिराजे सूत गौरिहर को,
हाथ लिए गुड लड्डू साई सुरवर को,
महिमा कहे ना जाय लागत हूँ पद को।

जय जय जय जय जय
जय जय जी गणराज विद्यासुखदाता

धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मत रमता
जय देव जय देव...

अष्ट सिधि दासी संकट को बैरी,
विघन विनाशन मंगल मूरत अधिकारी।
कोटि सूरज प्रकाश ऐसे छबी तेरी,
गंडस्थल मद्मस्तक झूल शशि बहरी।

जय जय जय जय जय,
जय जय जी गणराज विद्यासुखदाता,
धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मत रमता,
जय देव जय देव...

भावभगत से कोई शरणागत आवे,
संतति संपत्ति सबही भरपूर पावे।
ऐसे तुम महाराज मोको अति भावे,
गोसावीनंदन निशिदिन गुण गावे।

जय जय जी गणराज विद्यासुखदाता,
धन्य तुम्हारो दर्शन मेरा मत रमता।
जय देव जय देव...